वसंत वैली

vDVwcj 2009 पत्रिका

स्कूल वॉच

हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता

	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
कक्षा 6ः	ऋषभ पेरिवाल	अरमान आनंद	आन्या आनंद
कक्षा 7ः	आन्या जैन	शुभी रावल	तराना गुप्ता
	प्रीनॉन मजूमदार		
कक्षा 8ः	वसुधा गौर दीक्षित	संजना जैन	आस्था कामरा
कक्षा 9ः	राधिका पुरी	रिया जैन	ओजल खाण्डपुर
कक्षा10ः	रितिम वोहरा	अद्विका गुप्ता	आकर्षिता धवन
		अदा ग्रेवाल	

हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता

	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
कक्षा 4ः	गौरीका भारद्वाज	दिया विस्वास	देविका वीर
	इशिता मल्होत्रा	मनस्वी अग्रवाल	आशीश कौर
	आदित्य कपूर	विहा शर्मा	आशीश बिंद्रा
कक्षा 5ः	रिया कोठारी	प्रियांशी कुमार	हरविंश डालमिया
	यशस्विनी जिंदल	ज़ोया सिंह	दिया नारंग
	दिग्जय सिंह	ईश्वरी दासगुप्ता	वीर अर्जुन कपूर

संस्कृत शब्द ज्ञान प्रतियोगिता

	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
कक्षा 9ः	अमीरा सिंह	वंदिता खन्ना	गौरी खन्ना
कक्षा 10ः	शिक्षा कामरा	निधि जैन	ओजस्वी जैन

मनोविज्ञान समूह चर्चा

प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
आरूशी कुमार कक्षा 12	प्रद्युत कश्युप कक्षा 12	संजना मल्होत्रा 11
तन्वी टण्डन कक्षा 11		

सिंधिया स्कूल प्रश्नोत्तरी ः मेहुल अत्री और क्षितिज शरण ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वाई पी एस पटियाला वाद विवाद प्रतियोगिताः वसंत वैली स्कूल प्रथम आया। सारा चटर्जी सर्वश्रेष्ठ वक्ता थी।

हिन्दी दिवस

हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा हिन्दी को 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को भारत की राष्ट्र भाषा घोषित किया। सन् 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को हर साल हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। हिन्दी दिवस द्वारा जनता में यह संदेश पहुँचाया जाता है कि राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग पूरे भारत में होना चाहिए। इस दिन कई सरकारी संस्थाएँ हिन्दी को बढ़ावा देने की घोषणाएँ करती हैं तथा प्रण लेती हैं कि वे अपना सारा काम हिन्दी में करेंगी। इस तरह के कार्य क्रम देश के कोने कोने में मनाए जाते हैं।

आज अधिकांश भारतीय अंग्रेज़ी के जाल में जकड़े हुए हैं। किसी भी भाषा का ज्ञान बुरा नहीं होता पर विदेशी भाषा को अपनी मातृभाषा का सम्मान नहीं दिया जा सकता। अत: यह आवश्यक है कि हिन्दी को प्रोत्साहन देने के लिए हिन्दी का प्रयोग जीवन के हर हिस्से में होना चाहिए। महात्मा गाँधी ने सही कहा था कोई भी देश नकल करके बहुत ऊपर उठ सकता है पर महान् नहीं बन सकता। भारत की 80 प्रतिशत जनता गाँवों में रहती है और केवल हिन्दी बोलना जानती है।

तो क्यों न आज हम सब हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रण करें कि हम हर कोशिश करके हिन्दी भाषा को केवल भारत में ही नहीं विश्व में भी सम्मान दिलाएँगे। यह कहना ही होगा

मानस भवन में आर्यजन, जिसकी उतारें आरती।
भगवान भारतवर्ष में, गूँजे हमारी भारती ।।

अरमान आनन्द, कक्षा छह अ

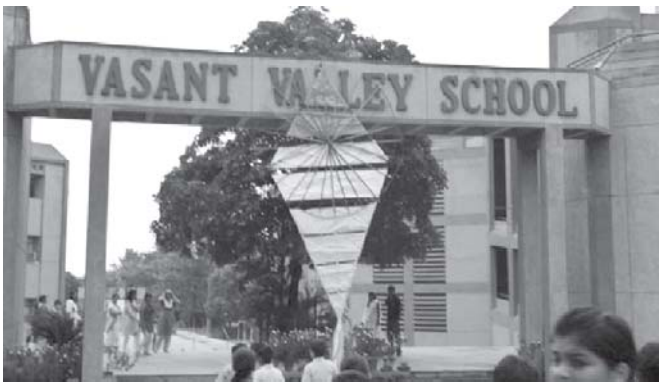

मम विद्यालय ः

मम विद्यालये द्वादशकक्षाः सन्ति। प्रातः काले बालाः शिक्षकाः च एकत्रं भूत्वा नमन्ति।तदा बालकाः बालिकाः च कक्षासु पठन्ति। अध्यापकाः अपि प्रसन्नाः भवन्ति।अस्मिन् विद्यालये विविधवर्णानि पुष्पाणि, विशालम् उद्यानम, शोभनाः दोलाः च सन्ति। बालाः पाठशालायाम् गीतानि गायन्ति नृत्यन्ति च। वयम् पट्टगेन्दुकम् पादकन्दुकः पत्रिक्रीडा यष्टिक्रीडा प्रक्षिप्त-कन्दुक-क्रीडा च अपि क्रीडामः। वयम् सर्वदा स्वविद्यालयं स्मरिष्यामः।

वंदिता खन्ना 9 अ

बहता पानी क्या कहता है

मैं कश्मीर में नदी के किनारे बैठी थी और आसपास के दृश्य की शोभा को निहार रही थी। मैंने बहती नदी को देखकर सोचा कि बहता पानी हमें कितनी सीख देता है। जैसे ज़िन्दगी में अनेक बाधाएँ आ सकती हैं लेकिन हमें उनसे डरना नहीं चाहिए, उन बाधाओं को ठेलकर चूर करके आगे बढ़ते जाना चाहिए।

बहता पानी हमें यह भी सिखाता है कि अगर हमारे लक्ष्य के रास्ते में चुनौतियाँ आएँगी उनको स्वीकार कर हिम्मत रखनी चाहिए। कभी हार न माननी चाहिए। नदी की अनेक सहायक धाराएँ होती हैं। नदी का यह पक्ष हमें यह सिखाता है कि हमारा व्यवहार भेद-भाव पूर्ण नहीं होना चाहिए। हमे सबके साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

हमारी ज़िन्दगी एक नदी की तरह है। हमें अपनी मेहनत से कमाया धन और ज्ञान ज़रूरतमंदों को बाँटना चाहिए।

चिड़िया की चहचहाहट सुनकर मैं ख़्यालों की दुनिया से आ गई। सचमुच मैंने नदी से आज बहुत कुछ सीखा।

ईशा गुप्ता कक्षा 7 ब

बातचीत

बातचीत का अर्थ है – मौखिक तरीके से अपने विचारों को पेश करना ः वार्तालाप करना। बातचीत एक साधन है, जिससे हम एक दूसरे की भावनाओं को जान सकते हैं। बातचीत वह अस्त्र है, जिससे युद्ध शुरू हो सकता है और बंद भी हो सकता है। इस अस्त्र की शक्ति परमाणु बम से भी ज्यादा है क्योंकि यह लोगों को शारीरिक तौर पर नहीं मानसिक तौर पर प्रभावित करती है। इससे मूर्ख तो मूर्ख विद्वान भी नहीं निकल पाते हैं।

बातचीत का बहुत महत्त्व है। हम एक दूसरे के बारे में जानकर संबंधों को सुधार सकते हैं। जब हमारे समाज के पास स्याही और कागज़ जैसी चीज़े नहीं थीं तब बातचीत ही एक दूसरे से संपर्क करने का तरीका था। आज भी अपने दोस्तों को ख़त या ई मेल लिखने से ज्यादा हम फ़ोन पर बातचीत करना पसंद करते हैं।

बातचीत से युद्ध की संभावनाएँ बनती हैं। इसलिए लोग बोलने से पहले सोचने की सलाह देतें हैं। अंत भी बातचीत से होता हैं। इससे विवाद सुलझ जाते हैं और किसी को हानि भी नहीं पहुँचती है।

महात्मा गांधी ने किस तरह अपनी बात चीत से किसी को हानि न पहुँचाकर, अपने गुलाम देश को आज़ाद किया था।

तमन्ना उप्पल कक्षा 7

प्रयत्न निरंतर करते रहना

सफलता का रास्ता एक हैं,
प्रयत्न निरंतर करना हैं।
जब निष्फलता को हम नहीं मानेंगे,
और हम प्रयत्न निरंतर करेंगे,
नामुमकिन को मुमकिन परिवर्तित करना,
दुर्बोध काम फिर नहीं रहेगा।
जो पुरूषार्थ करता रहेगा,
वह असफलता को दूर कर सकेगा।
जब राह में काँटे बहुत अधिक हैं,
जब हार मानने के अलावा विकल्प नहीं हैं,
तो रास्ता उसका ही निर्विघ्न बनेगा,
जो अंत तक चेष्टा करता रहेगा।
जो चेष्टा की गति को धीमी करेगा
उसे सफलता के रास्ते में विघ्न दिखेगा।
असफल होने की भार ज़रूर हैं भारी,
मगर यह भार नहीं हैं स्थायी,
ज़िन्दगी की हैं काफी लंबाई,
कंठ से पदक ज़रूर लटकेगा।
हार को जिसने स्वीकार किया,
उसे सफलता नहीं दिखाई दिया।
खून पसीना बहाने से,
किसान अनाज उपजाता है,
कुदाल मायूसी से फेंकने पर,
क्या अनाज उपजाना संभव है?
सफलता का रास्ता एक है,
प्रयत्न निरंतर करना है।

संजना सूर्या 8 ब

अस्माकं संसारः

अस्माकं विश्वः अतिसुन्दरः अस्ति। आवाम् अत्र खगाः वृक्षाः च पश्यामः। इतस्ततः कुक्कुराः धावन्ति खेलन्ति च। प्रतिगृहे एकः कुशलः परिवारः वसति। प्रातः काले सर्वेजनाः उद्याने भ्रमणाय गच्छन्ति। अस्माकं संसारः सर्व श्रेष्ठः अस्ति।

ओजल खाण्डपुर 9 अ

हिन्दी में मेरी रूचि

हिन्दी में मेरी पहले रूचि नहीं थी, मेरा लेख्र भी अच्छा नहीं था। मेरी माताजी ने मेरे लिए हिन्दी की कहानी तथा सुलेख्र की पुस्तकें लाकर दीं। मेरी दादीजी ने मुझे समझाया कि अगर आप ध्यान से पढ़ाई करोगी तो सफलता अवश्य मिलेगी। मैं नियमित रूप से मन लगाकर पढ़ने लगी। अब मुझे हिन्दी पढ़ना और लिख्रना अच्छा लगने लगा। अब हिन्दी में मेरी रूचि हो गई है और मैं कक्षा में बहुत अच्छा करने लगी हूँ। इसलिए तो कहा गया है

करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निशान।।

असीस कौर चार - ब

मेरी पहली हाइकू कविता
(जापानी कविता शैली)
जापान

जापान है क्या
लोग हैं मेहनती
देते हैं सीख्र

उज्ज्वला यादव पॉच- स

मोर

मोर आए हैं
ख्रुशियाँ साथ लाए
हमें भी भाए।

श्रीकीर्ति शर्मा पॉच- स

सुनी हमने कहानी बच्चों की जुबानी
कक्षा पॉच व फाउण्डेशन

दीपों का त्योहार

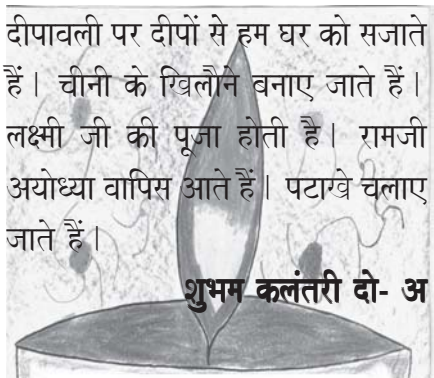

दीपावली पर दीपों से हम घर को सजाते हैं। चीनी के ख्रिलौने बनाए जाते हैं। लक्ष्मी जी की पूजा होती है। रामजी अयोध्या वापिस आते हैं। पटाख्रे चलाए जाते हैं।

शुभम कलंतरी दो- अ

इस दिन राम जी अयोध्या वापस लौट कर आए थे इसलिए हम घी के दिए जलाते हैं। घरों को सजाते हैं। इस दिन सभी गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं। हम अपने दोस्तों के घर जाते हैं और मिठाइयॉ ख्राते हैं। थोड़े थोडे पटाख्रे भी चलाते हैं।

अस्मिता शाह देव दो - ब

दिवाली

दिवाली आ रही है,
ख्रुशियाँ ला रही है।
दुकानें सज रही हैं,
मिठाइयाँ बन रही हैं।
जग मग बत्तियाँ कर रही हैं,
गहने बिक रहे हैं।
लक्ष्मी आ रही हैं ख्रुशियाँ ला रही हैं।

असीस बिंद्रा चार- अ

कहानी सुनकर मज़ा आ गया,

आदर्श भारत मेरी नज़र में

मेरी नज़र में आदर्श भारत है जहॉ कोई गरीब नहीं है। मेरे आदर्श भारत में सब प्रेम से रहते हैं और कोई लड़ाई झगड़ा नहीं करता है। सब लोग अपने आसपास की जगह को साफ़ सुथरा रख्रते हैं। हमारे देश के नेता सब मन लगाकर काम करते है। हर नागरिक अपनी ज़िम्मेदारी ठीक से निभाकर देश की उन्नति में भाग लेता है।

भारत के बच्चे भी बहुत ज़िम्मेदार हैं। वे वह चाहे कितने भी छोटे हों परन्तु अपनी ज़िम्मेदारी समझते हैं। वह पेड़ लगाने में सहायता करते हैं। पानी और बिजली की बचत करने में भी सहायता करते हैं। यह सब हमारे देश को पूरी दुनिया में सबसे आगे और ताकतवर बनाएगा।

सनां शिरोमणी पॉच- स

पुरातन काल में भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। भारत सौंदर्य, समृद्धि और संस्कृति का प्रतीक था। आज मेरा देश भुख्रमरी, भ्रष्टाचार बाल - श्रम और आतंकवाद जैसी कई गम्भीर समस्याओं से जूझ रहा है।

मेरे आदर्श भारत में कोई भी भारतवासी भूख्रा नहीं सोएगा। हिंदू, मुस्लिम, सिख्र, और ईसाई आपस में अमन और शांति से रहेंगे। भारत के हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त होगी और हमारा देश बाल - श्रम से मुक्त होगा। मेरे आदर्श भारत में हमें भ्रष्ट नेताओं से छुटकारा मिलेगा। हमारा देश स्वच्छ और सुंदर होगा। हम जानवर और पक्षियों को नहीं मारेंगे और अपने देश का सम्मान करेंगे। कोई आतंकवादी नहीं होगा और सब लोग भारत में ख्रुश रहेंगे। यही मेरा आदर्श भारत होगा।

ज़ोया सिंह पॉच- ब

इसका जादू छा गया।

उत्साह

जो भावों से भरा है,
बहती जिसमें रसधार है,
वह पत्थर नहीं हृदय है,
वह उत्साह का एक निरन्तर है।

फूलों से लद गए दिशा-क्षण,
भारत अम्बर गुँजन,
पुलकों में हस उठा सहज मन,
निर्झर करते उत्साह के गायन।

इस सोने की धरती के,
खुले 15 अगस्त पर सदियों के बन्धन,
मुक्त हुई चेतना धारा की,
और उत्साह से बने धरती के जनगण!

जिएँ सदा उसी के लिए,
यह अभिमान रहे, यह उत्साह,
निछावर कर दे हम सर्वस्व,
हमारा प्यारा भारतवर्ष।

कदम – कदम बढ़ाए चलो,
गीत उन्नति के गाते चलो,
देश का झंडा लहराए चलो,
और उत्साह से आगे बढ़ते चलो।

अकांक्षा डीन 8-ब

चुटकुले

1। शेर - चींटी, चींटी तुम दौड़ी कहाँ जा रही हो? चींटी - हाथी घायल हो गया है, उसे ख़ून देने जा रही हूँ।

2। अध्यापक - बताओ रामू ! सबसे ऊँचा पर्वत कहाँ है? रामू - मुझे नहीं मालूम। अध्यापक- सीट पर खड़े हो । रामू- (खड़े होकर) सर! अभी भी नहीं दिख रहा।

3। एक आदमी - ऐ लड़के! तेरा नाम क्या है ? दूसरा लड़का - वह गूँगा है। आदमी- तो फिर वह बोलता क्यों नहीं कि वह गूँगा है!

4। वीर- यह मकड़ी मेरे सूप में क्या कर रही है ? टीना – वह मक्खी को डूबने से बचा रही है।

5। लालू- अगर तुम बताओ कि इस बैग में क्या है, तो सारे अंडे तुम्हारे। अगर बताओ कि कितने अंडे हैं, तो आठ के आठ अंडे तुम्हारे, और अगर तुम बताओ कि यह अंडे किसके है तो मुर्गी भी तुम्हारी। लालीजी- कोई हिंट दो न!

पहेलियाँ

1। मेरे दो हाथ है, पर मैं लिख नहीं सकता। मेरे चार पैर हैं, पर मैं चल नहीं सकता। मैं कौन हूँ?

2। मेरा घर हरा है, उसके अंदर सफ़ेद दीवारें और उसके अंदर लाल हार। घर के अंदर बहुत बच्चे हैं। मैं कौन हूँ ?

3। मेरे बहुत पैर हैं पर मैं चल नहीं सकता। मैं कौन हूँ ?

अगली बार उत्तर देखिए ।

रेहान और विक्रम 6-ब

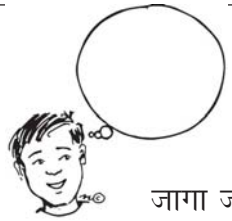

यादें

सोचा नहीं
जाता
जागा जाता नहीं
हर जीवित क्षण पल लम्हा
बस एक इन्तज़ार ।
मन के हर ख़्याल में
दिल की हर साँस में
शरीर की हर धड़कन में
वही पुरानी याद
सब सोचो तो
लगता है –
क्या हुआ था
क्या गलत किया था
प्रश्न तो आसान होते हैं
परंतु उनके उत्तर
मिलने कुछ मुश्किल ।
हर जीवित चीज़
हर पौधा आदमी जानवर
सब दिमाग के साथ
दिल के साथ
फिर क्यों दुखते हैं दिल
क्यों दिखाते हैं दिल
उत्तर तो आज मिला नहीं
अब एक और रात
गुज़ारने के बाद
कल एक नया दिन नए उत्तर

अद्विका गुप्ता 10

सम्पादकीय बोर्ड

वन्दिता खन्ना, अखिला खन्ना,
अमीरा सिंह, ऋषभ प्रकाश,
ईशान सरदेसाई, मल्लिका पाल,
रम्या आहूजा, सुविरा चर्ड्ढा,
तेजस्विता सिंह, वाणी श्रेया,
वेदिका बेरी, आयशा मलिक,
निखिल पाँधी, संजना मल्होत्रा,
तारा सेन, आरूषि कुमार,
कुणाल दत्ता, मेघना मान,
रिया साध, सारा चटर्जी,
वंशिका वाधवा,

सम्पादक : भाविक सिंह